भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 566
गुरुवार, 6 फ़रवरी, 2025/17 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कोलकाता विमानपत्तन से मध्य पूर्व देशों के लिए उड़ानें

566. श्री यूसुफ पठान:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कोलकाता से सऊदी अरब और मध्य पूर्व देशों के लिए कोई सीधी उड़ान नहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बड़ी संख्या में लोग तीर्थयात्रा के लिए कोलकाता से सऊदी अरब जाते हैं; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा कोलकाता से सऊदी अरब और मध्य पूर्व के अन्य देशों के लिए सीधी उड़ान कब तक शुरू किए जाने की संभावना है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) वर्तमान में, एयर अरेबिया अबू धाबी, दुबई एविएशन कॉरपोरेशन (फ्लाईदुबई), एमिरेट्स, एतिहाद एयरवेज और कतर एयरवेज, कोलकाता से अबू धाबी, दुबई और दोहा के लिए प्रति सप्ताह 32 उड़ानें परिचालित कर रहे हैं।

(ख) जी हाँ।

(ग) अंतर्राष्ट्रीय उड़ान परिचालन भारत और संबंधित देशों के बीच हस्ताक्षरित द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते (एएसए) द्वारा शासित होते हैं। एएसए के अनुसार, कोई भी नामित विदेशी एयरलाइन भारत में किसी भी प्वाइंट तक/से उड़ान का परिचालन कर सकती है, बशर्ते उसे एएसए में प्वाइंट ऑफ कॉल के रूप में नामित किया गया हो। कोलकाता प्वाइंट ऑफ कॉल के रूप में यूएई (पीदुबई), यूएई (अबू धाबी), बहरीन, कतर और कुवैत सहित अधिकांश मध्य पूर्व देशों के नामित वाहकों के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नामित वाहक परस्पर सहमत क्षमता सीमा के अनुसार, कोलकाता सहित किसी भी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे से सऊदी अरब और अन्य मध्य पूर्वी देशों सहित किसी भी विदेशी गंतव्य के लिए उड़ान परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। तथापि, भारत में किसी भी प्वाइंट से सीधी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन शुरू करना, यात्री मांग, स्लॉट की उपलब्धता, मार्ग की आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य संबद्ध कारकों के आधार पर अनुसूचित एयरलाइनों का विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक निर्णय होता है। सरकार नागर विमानन क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक वातावरण प्रदान करती है, परंतु एयरलाइनों की परिचालन योजनाओं में हस्तक्षेप नहीं करती है।

*****